ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292 PP. NO.- 178-179
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218
ISSN NO.-2347-2944
Vol.-10, No.-I, Issues-11 YEAR- June -2019

समाज पर बढ़ता इन्टरनेट का प्रभुत्व

राकेश प्रताप शाही
एसो0 प्रोफेसर– समाजशास्त्र विाग, श्री भगवान महावीर पी0 जी0 कालेज, पावानगर (फाजिलनगर), कुशीनगर (उ0प्र0), भारत

Received- 08.05.2019, Revised- 12.05.2019, Accepted - 15.05.2019 E-mail: -aryvart2013@gmail.com

सारांश : समाज में शालिनता व्यवहारिकता, अनपे पन एवं एक दूसरे के प्रति जनमानस में प्रेम सदभाव की जो प्रेरणा प्राचीन समय से चली आ रही थी अब इन्टरनेट के प्रभाव से विलुप्त होता जा रहा है, आज व्यक्ति अपने मोबइल फोन को ही सर्वप्रिय मित्र, अभिभावक सखा समझ जाता हैं, यहाँ तक की जिस आंगन के छाव में पला–बढ़ा–जिसके सहारे वह बड़ा हुआ, ज्यादातर उदहारणों में वह भी इन्टरनेट के सामने द्वितीय बन गया है,

कुंजीभूत शब्द– शालिनता, व्यवहारिकता, जनमानस, इन्टरनेट, विलुप्त, अभिभावक, सत्ताधारी दल, विकासवादी।

प्रस्तावना– विकास मानव की कल्पना का वह सार है जिसके सहारे वह नित्य आगे बढ़ते जाता है, विकासवादी कल्पना का परिणाम आज संचार का सबसे प्रभावशाली माध्यम इन्टरनेट हैं जिससे विश्व के किसी भी क्षेत्र की गतिविधियों को आसानी से आकलन किया जा सकता हैं, वर्तमान समय में विश्व से सभी देश अपने सीमाओं की रक्षा से सम्बन्धित गतिविधियों को भी इन्टरनेट के माध्यम से ही नजर रख रहे है, आज का युवा वर्ग मीडियों में अपना उज्जवल कैरियर आर्थिक एवं सामाजिक लाभ दिखने लगा हैं, जिससे बाजार सामाजिक जिम्मेदारी पर पूर्णतः निर्भर हो चुका है आज सभी सूचना हानि–लाभ देखकर प्रसारित होने लगा हैं, जिसके कारण जिम्मेदारी से अधिक दवाव प्रोफेशनल का है, सूचना तंत्रों की प्रतिद्वन्द्विता ने भी सूचना के स्वरूप को बदल दिया है, सूचना तंत्रों में आपसी सम्बन्ध आवश्यक हैं।

इंटरनेट ने न केवल युवाओं में सामाजिक एवं आर्थिक जागरूकता उत्पन्न किया है, बल्कि राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न करने में इसने अहम् भूमिका का निर्वाह किया है। उत्तरदाता इंटरनेट के द्वारा राजनीतिक दलों के कार्यों, गुणों एवं दोषों से परिचित हो रहे हैं तथा राजनेताओं द्वारा ट्विटर तथा ब्लॉग पर लिखे गये संदेशों से प्रभावित होकर सभा, संगोष्ठि, प्रदर्शन, जुलूस आदि में भाग ले रहे हैं। इंटरनेट ने युवाओं को मतदान के प्रति पहले से अधिक आकर्षित किया है। युवा आज न स्वयं मतदान करते हैं बल्कि अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करते हैं। इंटरनेट ने युवाओं को राजनीतिक चर्चाओं एवं बहसों को ज्ञान प्रदान कर राजनीतिक समाजीकरण का कार्य किया है। युवा वर्ग अब स्वयं भी इसमें भाग ले रहे हैं। युवा वर्ग राजनेताओं के विवादित ब्याद को देश हित में नहीं मानते हैं तथा ऐसे ब्यानों की तीव्र आलोचना करते हैं। इंटरनेट ने युवाओं को राजनीतिक क्षेत्र में इतना जागरूक कर दिया है कि वे सत्ताधारी दल द्वारा किये जाने वाले वायदों को चुनावी वायदा तक ही सीमित मानते हैं तथा वायदा पूरा न करने के एवज में जुलूस, प्रदर्शन तथा बन्द का आयोजन करते हैं। इंटरनेट ने युवाओं को चुनाव लड़ने के लिए भी प्रेरित किया है और यही कारण है कि आज का युवा वर्ग विभिन्न स्तर के चुनाव लड़ते हैं तथा उसमें कुछ लोग विजय प्राप्त करते हैं।

इंटरनेट वर्तमान की आवश्यकता है और इसके बिना कुछ भी संभव नहीं है। आज सभी कार्य इसके माध्यम से हो रहा है। इसके उपयोग से न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि पैसे एवं उर्जा की भी बचत हो रही है। इंटरनेट उन लोगों के लिए सबसे अच्छा माध्यम बन गया है जो घर बैठे–बैठे बोर महसूस करते थे। आज लोग इंटरनेट के माध्यम से विश्व के किसी भी भाग में एक दूसरे से जुड़े रहे हैं। या तथ्यों का आदान–प्रदान कर रहे हैं। अर्थात् इंटरनेट के माध्यम से कोई भी काम करना आसान हो गया है। इंटरनेट के आगमन से पूर्व किसी भी कार्य को करवाने के लिए लोगों को ऑफिस जाना पड़ता था तथा कई दिनों तक ऑफिस का चक्कर लगाना पड़ता था फिर भी काम नहीं होता था लेकिन इंटरनेट की सुविधा के कारण बहुत सारे लोग घर बैठे अधिकांश कार्य कर रहे हैं। इंटरनेट के कारण Faster Communication संभव हुआ है। इसके माध्यम से युवा वर्ग बिना किसी शुल्क के इंटरनेट कंजं की सहायता से सूचनाओं का प्रसारण कर रहे हैं। इंटरनेट से बातचीत करने के लिए वीडियोकॉलिंग या ऑडियोकॉलिंग का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही साथ ईमेल के द्वारा भी बातचीत किया जा रहा है। इंटरनेट आने के पूर्व दूर बैठे व्यक्ति का समाचार प्राप्त करने के लिए पत्र लिखना पड़ता था। तथा समाचार प्राप्त करने में

बहुत ही समय लगता था। लेकिन इंटरनेट ने इस समस्या का समाधान कर दिया है तथा थोड़े ही क्षण में किसी भी व्यक्ति से बातचीत करना संभव हो गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट का उल्लेखनीय योगदान से इंकार नहीं किया जा सकता। वर्तमान समय में Visiter Class Room की व्यवस्था की जा रही है ताकि विद्यार्थियों को आसानी से किसी भी चीज को सिखाया जा सके। आजकल लोग घर बैठे किसी भी वर्ग की पढ़ाई कर सकते हैं। शिक्षक अपना पढ़ाया गया विडियों को इंटरनेट पर अंकित करते हैं और फिर उस विडियों के माध्यम से उस पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं। वर्तमान समय में बहुत सारे वेबसाइट ऑनलाइन टिव्टरस प्रारम्भ किये गये हैं, जैसे– यू–ट्यूब जहां शिक्षक अपने शिक्षण विडियों को Upload करते हैं और विद्यार्थी उस विडियों को देखकर उसके संबंध में ज्ञान अर्जित करते हैं।

इंटरनेट ने व्यक्तिवाद को बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप एकाकी परिवारों की संख्या में वृद्धि हो रही है। विवाह संख्या पर इसका प्रभाव यह है कि आज युवक इंटरनेट पर जीवनसाथी का चयन करने लगे हैं तथा इंटरनेट के माध्यम से भी विवाह विच्छेद भी होने लगे हैं। इंटरनेट ने युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया है, लेकिन तिलक–दहेज को बढ़ावा देने में इंटरनेट ने कोई कसर नहीं छोड़ा है। इंटरनेट ने युवा वर्ग में सहयोग, सहायता, अपनत्व की भावना, राष्ट्रीय एकता की भावना में वृद्धि की है। इसने जातीयता, क्षेत्रीयता, साम्प्रदायिकता, भाषावाद, उग्रवाद, आतंकवाद से लड़ने की प्रेरणा प्रदान की है। इंटरनेट ने युवाओं के धार्मिक, सांस्कृति जीवन पर भी प्रभाव डाला गया है। इंटरनेट के माध्यम से युवा वर्ग विभिन्न समाजों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक जीवन से प्रभावित हो रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप उनके विचारधारा, दृष्टिकोण, जीवनशैली, आकांक्षा में परिवर्तन हो रहा है। इंटरनेट ने युवाओं के आर्थिक जीवन को भी प्रभावित किया है। वर्तमान समय में बेरोजगारी की भीषण समस्या है। इंटरनेट पर रोजगार एवं नौकरी से संबंधित सूचनायें प्रदान की जाती है। युवा वर्ग इन खबरों के आधार पर नौकरी एवं रोजगार प्राप्त करने का प्रयास करते हैं तथा इनमें से कुछ को सफलता भी मिलती है। इंटरनेट ने युवाओं को रोजगार उन्मुखता की नई दिशा एवं नई तकनीकी प्रदान की है जिसके माध्यम से युवा वर्ग अपनी आर्थिक स्थिति को उन्नत कर रहे हैं तथा आर्थिक बचत के माध्यम से भविष्य को सुनहरा बना रहे हैं। इंटरनेट ने युवाओं में राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसने युवाओं को राजनीतिक दलों के कार्यों, गुण–दोषों से अवगत कराया है। इंटरनेट ने युवाओं का राजनीतिक समाजीकरण करने में अहम भूमिका निभायी है। इंटरनेट पर युवा वर्ग देश–विदेश में घटने वाले राजनीतिक घटनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। वे राजनेताओं द्वारा किये गये, ट्विटर, ब्लॉग फेसबुक का भी अध्ययन कर रहे हैं। इन सारी बातों से उनमें राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता तथा राजनीतिक आकांक्षा बढ़ी है और वे राजनीति में दिलचस्पी ले रहे हैं लेकिन स्वस्थ राजनीतिक समाजीकरण के अभाव में राजनेताओं द्वारा ठगे जा रहे हैं। इंटरनेट के माध्यम से युवा वर्ग इस तथ्य से अवगत हो रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी के समाधान की दिशा में इतना सुस्त क्यों है।

इंटरनेट ने जहाँ एक ओर युवाओं पर रचनात्मक प्रभाव डाला है, वहीं दूसरी ओर इसने हानिकारक प्रभाव भी उत्पन्न किया है। आज युवा इंटरनेट के माध्यम से समाज के अव्यवहारिक मानदंडों को अपना रहे हैं विश्व भर में फेले आतंकवाद के बढ़ावे के लिए भी इन्टनेट एक माध्यम बन गया है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि इंटरनेट का नाकारात्मक प्रभाव होते हुए भी समाज पर बहुत ही इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शर्मा, सुशील के. और मिश्र, राजेश के. (1986): साइने क्वामान ऑफ इन्फारमेशन टैक्नालॉजी इम्पलीमेण्टेशन, लखनऊ, इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट ।
2. सादव, नरेन्द्र सिंहः विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धान्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, प्रथम संस्कारण, 2010.
3. सोनी, डॉ0. सुधीरः इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यम, रास्थान हिन्दू ग्रन्थ अकादमी, प्रथम संस्करण, 2010.
4. सिंह, डॉ. शंकरः सूचना संचार प्रौद्योगिकी : इंटरनट तथा सूचना समाज, इएसएस इएसएस पब्लिकेशन्स नयी दिल्ली, 201.

*****